Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—0306

PAPER—III

Time : 2½ hours] **PHILOSOPHY** **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PHILOSOPHY

दर्शनशास्त्र

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

We do not say that the divine is beyond the World : it is also behind it. It is supporting this world with its oneness and sustaining us all in facing the burden of division. The cosmosis working out a greater possibility of reaching spiritual oneness through the exercise of human freedom with all its consequences of danger and difficulty, pain and imperfection............ As to why the divine should have permitted this particular plan, we can understand it when we cross the barrier of our limited intelligence and see things from the supreme identity that lies behind the terrestrial process. From where we are, we can only say that it is a mystery (māyā) or is the divine will, or the expression of his creative force. Māyā does not mean that the World is a vain illusion, mere smoke without fire. The purpose of human life is to cross the line to emerge from insufficiency and ignorance to fullness and wisdom. This is moksa, or liberation into the light of superconsciousness. It is parama purusārtha, the supreme end of life, and the means to it is dharma. Moksa or liberation is to be achieved here and now, on earth, through human relations".

- S. Radhakrishnan

हम यह नहीं कहते हैं कि दैवी सत्ता जगत् से बाहर है, यह जगत् का आधार है। वह अपने एकत्व से जगत् को धारण किये हुए है और वह विभेद के भार का सामना करने में हमारी सहायता करता है। भय और काठिन्य, दु:ख और अपूर्णता वाली मानवीय स्वतंत्रता के द्वारा ब्रह्माण्ड आध्यात्मिक एकता की उच्चतर सम्भावना को खोज रहा है।............ दैवी शक्ति ने केवल इस योजना को क्रियान्वित होने के लिये क्यों अनुमति दी - इसे हम तभी समझ सकते है जब हम अपनी सीमित बुद्धि की सीमाओं का अतिक्रमण करने में समर्थ होते हैं और पार्थिव प्रक्रिया के पीछे विद्यमान परम सत्ता की दृष्टि से इसे देखते हैं। जहाँ हम है वहाँ से हम केवल यही कह सकते हैं कि यह माया है अथवा यह दैवी इच्छा है या उसकी रचनात्मिका शक्ति की अभिव्यक्ति है। माया का अर्थ यह नहीं है कि संसार निरर्थक भ्रम है, या अकारण है। मानव जीवन का उद्देश्य इस सीमा का अतिक्रमण कर अपर्याप्तता तथा अज्ञान से उभर कर पूर्णता और विवेक को प्राप्त करना है। अतिचेतना के प्रकाश में यह मुक्ति या मोक्ष की प्राप्ति है। यह परम पुरुषार्थ है। यह जीवन का परम अन्त और इसकी प्राप्ति का साधन धर्म है। मानवीय सम्बन्धों के माध्यम से मोक्ष या मुक्ति की प्राप्ति इसी संसार में, इसी जीवन में होनी हैं।

- एस्. राधाकृष्णन

1. What is the relation between divine and world ?

जगत् एवं दैवी सत्ता में क्या सम्बन्ध है?

2. In what direction is the cosmos working ?

ब्रह्माण्ड किस दिशा में कार्य कर रहा है?

3. When shall we understand the rationale behind the plan of the divine ?

दैवी सत्ता की योजना के पीछे आधार को हम समझने में कब समर्थ होंगे ?

4. What is Māyā ? How to overcome it ?

माया क्या है ? हम इससे कैसे मुक्ति पा सकते हैं ?

5. What is Parama Purusārtha ? How to attain it ?

परम पुरुषार्थ क्या है? हम इसे कैसे प्राप्त कर सकते हैं?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Explain the concept of dravya in Jainism.

जैन दर्शन में द्रव्य के प्रत्यय की व्याख्या कीजिए।

7. Define 'cause'.

'कारण' की परिभाषा दीजिए।

8. What is pramāna ? List different kinds of pramāṇas.

प्रमाण क्या होता है? भिन्न प्रकार के प्रमाणों की सूची बनाइए।

9. Define knowledge.

ज्ञान की परिभाषा दीजिए।

10. What is anumāna ?

अनुमान क्या होता है ?

11. Describe the tri ratnās of Jainism.

जैन दर्शन के त्रिरत्नों की व्याख्या कीजिए।

12. What is endaemonism ?

आत्मपूर्णतावाद क्या है?

13. What is feminism ?

नारीवाद क्या है?

14. Draw the figure of opposition.

विरोध-वर्ग का आरेखन कीजिए।

15. What is an argument form ?

तर्क-आकार क्या होता है ?

16. Distinguish between pure being and becoming.

शुद्ध-सत् एवं संभूति में भेद कीजिए।

17. Define anirvacanīya khyāti ?

अनिर्वचनीय ख्याति की परिभाषा दीजिए।

18. What is lokasaṁgraha ?

लोकसंग्रह सिद्धान्त क्या है?

19. Define goodwill.

शुभ संकल्प की अवधारणा की परिभाषा दीजिए।

20. Distinguish between universal quantification and existential quantification.
सर्व परिमाणकता और अस्तित्व परिमाणकता में भेद कीजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Discuss the problems and perspectives of Comparative Religion.
तुलनात्मक धर्म की समस्या तथा उसके परिप्रेक्ष्य का विवेचन कीजिए।

22. State the role of religion in Secular Society.
धर्मनिरपेक्ष समाज में धर्म की भूमिका का वर्णन कीजिए।

23. Write an essay on Immortality of Soul.
आत्मा की अमरता पर एक निबन्ध लिखिये।

24. What is religions experience ? Is it itself a proof for the existence of God ? Discuss.
धार्मिक अनुभूति क्या है? क्या यह स्वयं ईश्वर की सत्ता के लिये प्रमाण है? विवेचन कीजिए।

25. Compare the world views of Jainism and Sikhism.
जैन धर्म एवं सिख धर्म की विश्व दृष्टि की तुलना कीजिए।

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. 'The meaning of a word is its use in language'. Explain.
'शब्द का अर्थ तो भाषा में उसका प्रयोग है।' व्याख्या कीजिए।

22. Explain Russell's distinction between knowledge by Acquaintance and knowledge by Description.
परिचय द्वारा ज्ञान और वर्णन द्वारा ज्ञान में रसेल द्वारा किए गए भेद की व्याख्या कीजिए।

23. Are universals merely names ? Discuss.
क्या सामान्य मात्र नाम होते हैं? व्याख्या कीजिए।

24. Explain Quine's saying "Meanings .... are meanings of expressions".
क्वाईन के इस कथन की व्याख्या कीजिए : "अर्थ...... तो अभिव्यक्तियों के अर्थ होते हैं।

25. Distinguish between locutionary and illocutionary acts.
वचन एवं वचनेतर क्रियाओं में भेद कीजिए।

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

21. Examine the role of Dasein in the context of the concept of Being (sein).
सत की अवधारणा के संदर्भ में डज़ाईन भूमिका का परीक्षण कीजिए।

22. Elucidate Husserl's method of reduction.
हुसरेल की अपचयन विधि की व्याख्या कीजिए।

23. Discuss Husserl's view that intentionality is the essence of consciousness.
हुसरेल के इस मत की व्याख्या कीजिए कि विषयाभिंगता चेतना का सार है।

24. Explain the significance of hermeneutic circle.
श्रुत्पर्थपर्यालोचना चक्र के महत्व की व्याख्या कीजिए।

25. 'The text is dead'. Discuss.
'पाठ का समापन हो गया है'। व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV
विकल्प – IV

21. Why had Advaita Vedānta made the distinction of Saguṇa and Nirguṇa Brahman ? Discuss.
सगुण और निर्गुण ब्रह्म का भेद अद्वैत वेदान्त ने क्यों किया है? विवेचन कीजिये।

22. How does Rāmānuja explain <u>tat</u> <u>tvam</u> <u>asi</u> ? Discuss.
रामानुज तत्वमसि की व्याख्या कैसे करते हैं? विवेचन कीजिए।

23. Discuss the role of reason and revelation in Dvaita Vedānta.
द्वैत वेदान्त में तर्क और दैवी प्रकाशन की भूमिका का विवेचन कीजिये।

24. Discuss the nature of Perception according to Advaita Vedānta.
अद्वैत वेदान्त के अनुसार प्रत्यक्ष के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

25. What is Prapatti ? Why has Rāmānuja inducted that mārga in his system ? Discuss.
प्रपत्ति क्या है? रामानुज ने क्यों उस मार्ग को अपने दर्शन में स्थान दिया है? विवेचन कीजिए।

OR / अथवा
Elective - V
विकल्प – V

21. What is non - violence ? How far Gandhi is justified in making distinction between non - violence of the strong and non - violence of the weak ? Discuss.
अहिंसा क्या है? शक्तिशाली की अहिंसा और कमजोर की अहिंसा के मध्य भेद करने में गाँधी कैसे युक्ति संगत हैं? विवेचन कीजिये।

22. State the relevance of Gandhian concept of trusteeship in the context of globalisation.
वैश्विकरण के संदर्भ में गाँधी के ट्रस्टीशिप (न्यासका सिद्धान्त) की अवधारणा की प्रासंगिता का वर्णन कीजिए।

23. What is Dharma and what is Religion ? Is there any distinction between the two according to Gandhi ? Discuss.
धर्म और रेलिजन क्या हैं? क्या गाँधी जी के अनुसार दोनों में कोई भेद है? विवेचन कीजिए।

24. Is the system of Panchayat Raj successful in establishing Grām Swarāj ? Discuss.
क्या ग्राम स्वराज्य की स्थापना में पंचायती राज व्यवस्था सफल है? व्याख्या कीजिये।

25. Examine the means - end relationship from the view point of Gandhian philosophy.
गाँधीदर्शन के सन्दर्भ में साधन और साध्य के मध्य सम्बन्ध का मूल्यांकन कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Is the doctrine of puruṣārthas relevent today ? Discuss.
क्या पुरुषार्थ का सिद्धान्त आज प्रासंगिक है? विवेचन कीजिए

OR / अथवा

Can religion contribute to the promotion of world peace ? Discuss.
क्या धर्म, विश्वशांति में योगदान कर सकता है? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

Is Gandhi's doctrine of sarvodaya as utopia ? Discuss.
क्या गांधी का सर्वोदय का सिद्धान्त एक यूटोपिया है? विवेचन कीजिये।

OR / अथवा

"Philosophy has variously interpreted the world, the point, however, is to change it". Discuss.
दर्शन ने जगत् की बहुविध व्याख्यायें की हैं, परन्तु महत्वपूर्ण तो उसमें परिवर्तन लाना है। विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

"Tradition divides, modernity unites". Discuss.
''परम्परा विभाजित करती है जबकि आधुनिकता जोड़ती है''। विवेचन कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**	**Question Number**	**Marks Obtained**
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....